Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

Test Booklet No.

J—2509

PAPER—II

SANSKRIT

Time : 1¼ hours] **[Maximum Marks : 100**

Number of Pages in this Booklet : **8** Number of Questions in this Booklet : **50**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered in the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the oval as indicated below on the correct response against each item.

   Example : (A) (B) ⬤ (D)

   where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the Answer Sheet given **inside the Paper I booklet only**. If you mark at any place other than in the ovals in the Answer Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your name or put any mark on any part of the test booklet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and OMR Answer Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका की क्रम संख्या OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के दीर्घवृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : (A) (B) ⬤ (D)

   जबकि (C) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये** उत्तर-पत्रक पर ही अंकित करने हैं। यदि आप उत्तर पत्रक पर दिये गये दीर्घवृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते है, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं OMR उत्तर-पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

SANSKRIT
संस्कृत
PAPER – II
प्रश्नपत्रम् – II

Note : This paper contains **fifty** (50) objective-type questions, each question carrying **two** (2) marks. Attempt **all** of them.

नोट : **इस प्रश्नपत्र में पचास (50) बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के दो (2) अंक हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर दें।**

सूचना : **अस्मिन् प्रश्नपत्रे पञ्चाशत् (50) बहुवैकल्पिकप्रश्नाः सन्ति। एकैकस्य प्रश्नस्य अङ्कद्वयं (2) वर्तते। सर्वे प्रश्नाः समाधेयाः।**

1. 'आवाहनं देवानां वहनञ्च हविषाम्' इत्यस्ति :

(A) अग्निकर्म (B) विष्णुकर्म (C) रुद्रकर्म (D) इन्द्रकर्म

2. 'रसानुप्रदानं वृत्रवधः' इत्यस्ति :

(A) बृहस्पतिकर्म (B) रुद्रकर्म (C) सवितृकर्म (D) इन्द्रकर्म

3. काण्वसंहिता वर्तते :

(A) कृष्णयजुर्वेदस्य (B) सामवेदस्य (C) शुक्लयजुर्वेदस्य (D) अथर्ववेदस्य

4. संख्यया स्वराङ्कनं भवति :

(A) यजुर्वेदे (B) सामवेदे (C) अथर्ववेदे (D) ऋग्वेदे

5. 'स्वाध्यायान्मा प्रमदः' वर्तते :

(A) ईशोपनिषदि (B) कठोपनिषदि (C) तैत्तिरीयोपनिषदि (D) ऐतरेयोपनिषदि

6. 'पुरुखा उर्वशी' – संवादो वर्तते :

(A) ऋग्वेदस्य दशममण्डले (B) अथर्ववेदस्य नवमकाण्डे

(C) शतपथब्राह्मणस्य प्रथमकाण्डे (D) यजुर्वेदस्य पञ्चदशाध्याये

7. सरमापणिसूक्तस्य छन्दो वर्तते :

(A) त्रिष्टुप् (B) जगती (C) बृहती (D) विराड्गायत्री

8. बालगङ्गाधर तिलकानुसारं ऋग्वेदस्य कालः ख्रीस्तपूर्वं वर्तते :

(A) 5000 (B) 8000 (C) 2500 (D) 3500

9. माध्यन्दिनीयसंहितायामुदात्तस्वरस्य अङ्कनं भवति :

(A) अधः (B) उपरिष्टात् (C) तिर्यक् (D) किमपि न

10. मन्त्रब्राह्मणयोः सम्मिश्रणं वर्तते :

(A) ऋग्वेदे (B) कृष्णयजुर्वेदे (C) सामवेदे (D) अथर्ववेदे

11. शुक्लयजुर्वेदमाध्यन्दिनसंहितायां मन्त्रसंख्या वर्तते :

(A) 1975 (B) 2000 (C) 1852 (D) 1900

12. शिक्षाग्रन्थेषु प्रतिपाद्यते :

(A) वेदार्थनिर्णयधर्मः (B) कालज्ञानम् (C) उच्चारणधर्मः (D) शब्दसाधुत्वम्

13. सत्कार्यवादे उत्पत्तेः पूर्वं कार्यं भवति :

(A) सदसत् (B) अव्यक्तरूपेण सत् (C) उभयरूपेण सत् (D) व्यक्तरूपेण सत्

14. सांख्यदर्शने पृथिव्याः प्रादुर्भावः अस्ति :

(A) रसतन्मात्रात् (B) गन्धतन्मात्रात् (C) शब्दतन्मात्रात् (D) स्पर्शतन्मात्रात्

15. त्रिविधं प्रमाणं विद्यते :

(A) न्यायदर्शने (B) वेदान्तदर्शने (C) मीमांसादर्शने (D) सांख्यदर्शने

16. त्रिकालमाभ्यन्तरं करणम् :

(A) सदाननुमते (B) केशवमिश्रमते (C) ईश्वरकृष्णमते (D) जैमिनिमते

17. अद्वैतवेदान्ते जीवब्रह्मणोः स्वरूपम् :

(A) जीवब्रहमैक्यम् (B) जीव एव पुरुषः

(C) जीव एव अज्ञानम् (D) जीव एव ईश्वरः

18. अध्यारोपलक्षणमस्ति :

(A) जीवेब्रह्मणआरोपः (B) अवस्तुनि वस्त्वारोपः

(C) वस्तुनि अवस्त्वावोरोप (D) न किमपि

19. अनुबन्धः अस्ति :

(A) द्विविधः (B) त्रिविधः (C) चतुर्विधः (D) पञ्चविधः

20. सदसदभ्याम् अनिर्वचनीयमस्ति :

(A) ज्ञानम् (B) ज्ञानाज्ञाने (C) अज्ञानम् (D) न किमपि

21. न्यायदर्शने प्रमाणानि सन्ति :

(A) त्रीणि (B) चत्वारि (C) पञ्च (D) षट्

22. 'गगनारविन्दं सुरभि' अत्र कः हेत्वाभासः ?

(A) आश्रयसिद्धः (B) स्वरूपासिद्धः (C) व्याप्यत्वासिद्धः (D) विरुद्धः

23. न्यायानुसारं प्रमेयाः सन्ति :

(A) दश (B) एकादश (C) द्वादश (D) त्रयोदश

24. वेमादिकं पटस्य अस्ति :

(A) समवायिकारणम् (B) असमवायिकारणम

(C) निमित्तकारणम् (D) किमपि न

25. एकाल्प्रत्ययः

(A) कृत् (B) सन् (C) अपृक्तम् (D) तिङ्

26. क्तक्तवतू किमुच्यते :

(A) गतिः (B) निष्ठा (C) गुणः (D) सवर्णम्

27. विभाषायाः किं लक्षणम् ?

(A) सुप्तिङन्तम् (B) सामर्थ्यम् (C) परःसन्निकर्षः (D) नवेति

28. नदीसंज्ञया उल्लिख्येते :

(A) ण्वुल्तृचौ (B) स्वौ (C) उङ्यौ (D) यूस्त्र्याख्यौ

29. अदेङ् इत्यस्य का संज्ञा :

(A) भ (B) टि (C) गुणः (D) घु

30. समीचीनां तालिकां चिनुत :

(a)	प्रातिपदिकम्	(i)	आदैच्
(b)	वृद्धिः	(ii)	सुप्तिङन्तम्
(c)	पदम्	(iii)	अचोऽन्त्यादि
(d)	टि	(iv)	अर्थवदद्यातुरप्रत्ययः

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(A)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(B)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(C)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(D)	(i)	(iv)	(iii)	(ii)

31. साधकतमं कारकं किमुच्यते :

(A) कर्म (B) अधिकरणम् (C) करणम् (D) अपादानम्

32. 'अन्तर्धौ येनादर्शनमिच्छति' अत्र का विभक्तिः ?

(A) द्वितीया (B) षष्ठी (C) सप्तमी (D) तृतीया

33. संख्यापूर्वः कः समासः ?

(A) केवलः (B) तत्पुरुषः (C) द्विगुः (D) बहुव्रीहिः

34. उपकृष्णम् इत्यस्य पदस्य विग्रहः वर्तते :

(A) कृष्णस्य सादृश्यम् (B) कृष्णस्य पश्चात्

(C) कृष्णस्य समीपम् (D) कृष्णं प्रति

35. अकुहविसर्जनीयानाम् उच्चारणस्थानं किम्?

(A) मूर्धा (B) ओष्ठः (C) कण्ठः (D) तालु

36. मूर्धन्यो भवति :

(A) प् (B) ड् (C) ल् (D) न्

37. यरलवाः वर्णाः :

(A) स्पृष्टाः (B) अन्तःस्थाः (C) ईषत्स्पृष्टा (D) अनुनासिकाः

38. हितोपदेशस्य रचयिता अस्ति :

(A) नारायणः (B) विष्णुशर्मा (C) दण्डी (D) बाणः

39. नाटकस्य उदाहरणं भवति :

(A) मृच्छकटिकम् (B) मालतीमाधवम् (C) वेणीसंहारः (D) त्रिपुरविजयः

40. प्रतिमानाटकस्य रचयिता वर्तते :

(A) कालिदासः (B) भवभूतिः (C) भट्टनारायणः (D) भासः

41. 'अज्ञातहृदयेष्वेवं' वैरीभवति सौहृदम इति वाक्यास्य कर्ता वर्तते –

(A) भारविः (B) कालिदासः (C) माघः (D) श्रीहर्षः

42. 'रमणीयार्थप्रतिपादकः शब्दः काव्यम्' इत्युक्तं :

(A) कुन्तकेन (B) जगन्नाथेन (C) आनन्दवर्धनेन (D) मम्मटेन

43. आनन्दवर्धनाचार्यमतानुसारं काव्यस्यात्मा भवति :

(A) ध्वनिः (B) रसः (C) रीतिः (D) अलङ्कारः

44. करुणरसस्य स्थायी भावः वर्तते :

(A) भयम् (B) क्रोधः (C) जुगुप्सा (D) शोकः

45. 'मदेन भाति कलभः प्रतापेन महीपतिः'

इति वाक्यं कस्यालङ्कारस्योदाहरणं भवति :

(A) उपमालङ्कारस्य (B) दीपकालङ्कारस्य

(C) अर्थान्तरन्यासालङ्कारस्य (D) दृष्टान्तालङ्कारस्य

46. 'सौन्दर्यमलङ्कारः' इति प्रतिपादितम् :

(A) रुय्यकेन (B) रुद्रटेन (C) भामहेन (D) वामनेन

47. विश्वनाथः अस्ति :

(A) रसवादी (B) अलङ्कारवादी (C) ध्वनिवादी (D) वक्रोक्तिवादी

48. भरतेनोक्ताः अलङ्काराः सन्ति :

(A) चत्वारः (B) विंशतिः (C) पञ्च (D) सप्त

49. 'गङ्गायां घोषः' इत्यत्र वर्तते :

(A) उपादानलक्षणा (B) गौणी लक्षणा

(C) प्रयोजनवती लक्षणा (D) सारोपा लक्षणा

50. व्यक्तिविवेकस्य रचयिता वर्तते :

(A) अभिनवगुप्तः (B) भट्टनायकः (C) भट्टतौतः (D) महिमभट्टः

- o O o -

Space For Rough Work